University in News on 08 February 2021

i-NEXT PAGE 2 & 5

लखनऊ यूनिवर्सिटी सिलेबस अपग्रेड कर रोजगारपरक बनाने की कर रही तैयारी

कोर्स के बाद जॉब करो या स्वरोजगार

i SPECIAL LUCKNOW (7 Feb, inext): लखनऊ यूनिवर्सिटी नए सत्र से अपने सिलेबस को अपग्रेड कर रोजगार परक बनाने की तैयारी कर रहा है. कोर्स में बदलाव किए जा रहे हैं और पढ़ाने के लिए शिक्षकों को भी ट्रेनिंग दी जा रही है. यह ट्रेनिंग बीटेक, एमसीए, होटल मैनेजमेंट आदि कोर्स के शिक्षकों को दी जा रही है. यही नहीं संबद्ध डिग्री कॉलेजों में भी शिक्षकों की ट्रेनिंग के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे. संबद्ध कॉलेजों में भी स्वरोजगार से जुड़े कोर्स चलाने की तैयारी शुरू हो चुकी है.

कोर्स में बदलाव के साथ ही शिक्षकों को भी किया जा रहा है ट्रेंड

कोर्स में जुड़ेंगे नए चैप्टर

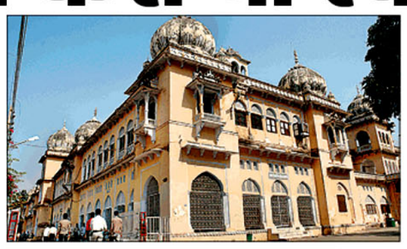

यूनिवर्सिटी में चार दर्जन से अधिक कोर्स चलाए जा रहे हैं और इन कोर्स में 25 हजार से अधिक स्टूडेंट्स पढ़ाई कर रहे हैं. प्रोफेशनल कोर्स के पहले और दूसरे वर्ष के कोर्स में नए चैप्टर जोड़कर उनमें बदलाव किया जाना है. इसके लिए शिक्षकों से सुझाव मांगे गए हैं. संभावना है कि एकेडमिक काउंसिल की बैठक में इसकी मंजूरी मिल जाएगी.

ताकि आसानी से मिले जॉब

वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि शिक्षकों के लिए अनलॉक के बीच फैकल्टी प्रोग्राम व सेमिनार किए गए हैं. नए कोर्स अपग्रेड करने के बाद उनके लिए शिक्षकों को तैयार किया जाएगा. नए पाठ्यक्रम के अनुसार क्लास लगाई जाएगी. डिग्री कॉलेजों के कोर्स में भी संशोधन करने की योजना है.

लखनऊ यूनिवर्सिटी में नए कोर्स अपग्रेड करने के बाद उनके लिए शिक्षकों को तैयार किया जाएगा.

कौशल विकास के विषय

बीए, बीएससी, बीकॉम के कोर्स में कौशल विकास के विषय जोड़े जाएंगे. इस नई पहल से पढ़ाई के बाद स्टूडेंट्स को आसानी से जॉब मिल सकेगी और स्वरोजगार के द्वार भी खुलेंगे.

इसकी मिलेगी जानकारी

कपड़ों पर चिकन और जरदोजी के काम और उसका इतिहास, फ्यूजन वर्क, चिकन वर्क और पेंटिंग मिलाकर किया जाने वाले काम की जानकारी देने के लिए यूनिवर्सिटी की भाऊराव देवरस पीठ जल्द ट्रेनिंग और डेपलपमेंट कार्यक्रम की शुरुआत करेगी. ट्रेनिंग के दौरान बिहार की प्रसिद्ध मधुबनी, मंजूषा पेंटिंग, महाराष्ट्र की वर्ली और तमिलनाडु की टाडा पेंटिंग व डिजाइन के बारे में भी बताया जाएगा.

"लखनऊ की चिकन कारीगरी और जरदोजी का काम मशहूर है लेकिन अभी तक फ्यूजन वर्क को मिलाकर चिकन पर काम नहीं हुआ है. फ्यूजन वर्क फॉर चिकन एवं जरदोजी पर होने वाले ट्रेनिंग प्रोग्राम में एक्सपर्ट इसकी बारीकिया आदि के बारे में जानकारी देंगे. **प्रो. सोमेश कुमार शुक्ला,** निदेशक, भाऊराव देवरस पीठ

बीए, बीएससी, बीकॉम के कोर्स में कौशल विकास के विषय जोड़े जाएंगे. इससे पढ़ाई के बाद स्टूडेंट्स को आसानी से जॉब मिलेगी और स्वरोजगार के द्वार भी खुलेंगे. **प्रो. आलोक कुमार राय,** वीसी, एलयू

18 से एमपीएड और 20 से बीएड सेमेस्टर एग्जाम

लखनऊ यूनिवर्सिटी ने घोषित किया एग्जाम का प्रोग्राम

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (7 Feb): लखनऊ यूनिवर्सिटी ने रविवार को मास्टर ऑफ फिजिकल एजुकेशन और बीएड सेमेस्टर एग्जाम का प्रोग्राम जारी कर दिया है. एमपीएड थर्ड सेमेस्टर के एग्जाम 18 से 24 फरवरी तक दोपहर 2 बजे से 5 बजे तक होंगे. वहीं बीएड थर्ड सेमेस्टर के एग्जाम 20 से 24 फरवरी तक सुबह 9 बजे से 12 बजे तक होंगे. एग्जाम कंट्रोलर प्रो. एएम सक्सेना ने बताया कि जल्द ही एग्जाम सेंटर्स निर्धारित कर दिए जाएंगे.

फुल टाइम पीएचडी के लिए अंतिम छह माह में हो 70 फीसद अटेंडेंस

पीएचडी में एडमिशन लेने वाले नौकरीपेशा लोगों को अपनी संस्था से लानी होगी एनओसी

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (7 Feb): लखनऊ यूनिवर्सिटी में पीएचडी आर्डिनेंस-2020 को लागू कर दिया गया है. अब फुल टाइम पीएचडी के लिए स्टूडेंट्स की अंतिम छह माह में अटेंडेंस 70 फीसद होना जरूरी है. वहीं नवनियुक्त असिस्टेंट प्रोफेसर एक साल बाद भी रिसर्च स्टूडेंट्स को अपने यहां रजिस्टर्ड कर सकेंगे. अभी यह समय सीमा तीन साल थी. एलयू पीएचडी कोर्स वर्क को भी रिवाइज्ड कर इसमें रिसर्च एथिक्स आदि नई चीजों को शामिल करेगा. आगामी पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया से एडमिशन लेने वालों पर यह नियम लागू होंगे.

संस्था की एनओसी जरूरी

आर्डिनेंस के मुताबिक एसोसिएट प्रोफेसर और प्रोफेसर प्रत्येक शैक्षिक सत्र में पार्टटाइम पीएचडी करने वाले एक-एक रिसर्च स्कॉलर को अपने पास रजिस्टर्ड कर सकेंगे. रिसर्च स्कॉलर के लिए कही न कही जॉब करना जरूरी है. एडमिशन के लिए उसे अपने कंपनी से एनओसी लेकर आना होगा. पार्ट टाइम के लिए एक सेमेस्टर में छह दिन अटेंडेंस जरूरी है.

दो सेमेस्टर में मिलेगा डाटा कलेक्शन का मौका

यूनिवर्सिटी के शिक्षकों के मुताबिक अब रिसर्च स्कॉलर अपनी डिपार्टमेंटल रिसर्च कमेटी से अनुमति लेकर दो सेमेस्टर (एक साथ नहीं) के लिए डाटा कलेक्शन व नमूनों की जांच आदि के लिए बाहर जा सकेंगे. पुराने आर्डिनेस में यह सुविधा नहीं थी. अभी तक प्री पीएचडी कोर्स में दो पेपर होते हैं. रिसर्च मेथोडोलाजी और दूसरा अपने विषय से संबंधित. रिसर्च एथिक्स इसमें शामिल नहीं था. यूजीसी से नोटिफिकेशन आने के बाद अब रिसर्च एंड पब्लिकेशन एथिक्स पेपर शामिल किया जाएगा.

अब फुल टाइम पीएचडी के लिए स्टूडेंट्स की अंतिम छह माह में अटेंडेंस 70 फीसद होना जरूरी है. आगे एडमिशन लेने वालो पर ये नियम लागू होंगे.

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

18 से एमपीएड व 20 से होगी बीएड परीक्षा

लखनऊ। लविवि ने रविवार को एमपीएड और बीएड पाठ्यक्रमों का परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया। एमपीएड की परीक्षा 18 फरवरी और बीएड की 20 फरवरी से शुरू होगी। दोनों पाठ्यक्रमों में दस हजार के करीब परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। परीक्षा नियंत्रक प्रो आनन्द मुरारी सक्सेना ने बताया कि जल्द इनके परीक्षा केंद्र भी घोषित कर दिए जाएंगे।

लविवि छात्रावास में स्वास्थ्य जांच शिविर

लखनऊ। लविवि के तिलक छात्रावास में रविवार को छात्रा हीमोग्लोबिन, रक्त एवं स्वास्थ्य जांच शिविर लगाई गई। 175 छात्राओं के हीमोग्लोबिन की जांच की गई। सर्वाधिक हीमोग्लोबिन 13.8 और औसतन 11 मापा गया। शिविर का आयोजन छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. पूनम टंडन ने साईं हॉस्पिटल के सहयोग से करवाया। उद्घाटन कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने किया। मुख्य अतिथि संगीता राय थीं।

प्रो. कृपाशंकर, धर्मेंद्र सिंह बने लविवि कार्यपरिषद के सदस्य

लखनऊ। एकेटीयू के पूर्व कुलपति प्रो. कृपाशंकर और समाजसेवी धर्मेंद्र सिंह को लविवि में कार्यपरिषद का सदस्य मनोनीत किया गया है। वाराणसी निवासी प्रो. कृपाशंकर 2009 से 2012 तक यूपीटीयू (अब एकेटीयू) में वीसी के बाद आईआईटी कानपुर से सेवानिवृत्त हुए। वहीं वाराणसी के ही धर्मेंद्र सिंह समाजसेवा के क्षेत्र में भी जाने जाते हैं। (इनपुट : वाराणसी)

JAGRAN CITY PAGE IV

विधायक ने लविवि को लिखा पत्र

टेढ़ी नदी के अस्तित्व को बचाने के लिए गोंडा सदर विधायक ने मांगी सहायता, कुलपति ने दी प्रो. ध्रुव सेन सिंह को जिम्मेदारी

जासं, लखनऊ : लखनऊ विवि ऐतिहासिक एवं पौराणिक महत्व रखने वाली 'टेढ़ी नदी' (कुटिला नदी) के अस्तित्व को बचाने में शीघ्र ही जुटेगा। मुख्यमंत्री ने इसके जीर्णोद्धार की घोषणा पहले ही कर दी है। अब इसकी कार्ययोजना बनाने की तैयारी शुरू हो गई है। गोंडा के सदर विधायक प्रतीक भूषण सिंह ने मदद के लिए विश्वविद्यालय के कुलपति को पत्र लिखा है, जिसके बाद कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने तमाम नदियों पर काम कर चुके वैज्ञानिक प्रो. ध्रुव सेन सिंह को जिम्मेदारी सौंपी है।

दरअसल, जनपद गोंडा व बहराइच के बीच ऐतिहासिक एवं पौराणिक महत्व रखने वाली 'टेढ़ी नदी' (कुटिला नदी) बहती है। यह चित्तौड़ झील बहराइच से गोंडा जिले की तहसील सदर व तरबगंज होते अयोध्या सरयू नदी में विलीन होने तक 232 किलोमीटर की यात्रा करती है। अब इसके अस्तित्व पर खतरा मंडराने लगा है। बीते दिनों गोंडा के सदर विधायक प्रतीक भूषण सिंह ने सीएम को यह बात बताई। इसके बाद उन्होंने जीर्णोद्धार की घोषणा की।

यह नदी दोनों जिलों में कृषि योग्य भूमि को और उपजाऊ बनाती है। अष्टावक्र मुनि का आश्रम भी कुटिला नदी पर ही स्थित था। अब इसका घटता जलस्तर कृषि योग्य भूमि की उपजाऊ क्षमता को कम कर रहा है। गोंडा के डीएम तथा विधायक प्रतीक भूषण सिंह के नेतृतव में कार्ययोजना तैयार की जा रही है। इसके लिए, उन्होंने लविवि का सहयोग मांगा है।

प्रतियोगिताओं में दिखा बालिकाओं का दर्द

जासं, लखनऊ : 'क्या खता थी मेरी, क्यों बचपन मेरा लूट लिया', 'बाजार में खामोश थी इंसानियत और मासूमियत कब्र में चीख रही थी' रंगोली और पोस्टर प्रतियोगिता में कुछ इसी तरह के स्लोगन के जरिए बालिकाओं ने अपना दर्द बयां किया। मौका था रविवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के कामर्स विभाग में मिशन शक्ति के तहत आयोजित कार्यक्रम का।

'यौन अपराध : किशोरावस्था में किशोर व किशोरियों का समर्थन' पर मानवाधिकार कार्यकर्ता खादीजा फारूकी ने सामाजिक कुरीतियों एवं उसकी रोकथाम के के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर रंगोली, स्लोगन, भाषण, पोस्टर एवं कविता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें बीकाम सहित अन्य विभागों के विद्यार्थियो ने प्रतिभाग किया।

18 से एमपीएड, 20 से होंगी बीएड परीक्षाएं

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने रविवार को मास्टर आफ फिजिकल एजुकेशन (एमपीएड) और बीएड सेमेस्टर परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी कर दिया। एमपीएड तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 18 से 24 फरवरी तक दोपहर दो से शाम पांच बजे तक होंगी।

वहीं, बीएड तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाओं की तिथि 20 से 24 फरवरी तक तय की गई है। इनका समय सुबह 9 से दोपहर 12 बजे तक रहेगा। इसका शेड्यूल विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है, जिसे विद्यार्थी देख सकते हैं। परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना ने बताया कि जल्द ही इन परीक्षाओं के केंद्र निर्धारित कर दिए जाएंगे।

ये है परीक्षा कार्यक्रम

एमपीएड तीसरा सेमेस्टर

तिथि	पेपर का नाम
18 फरवरी	साइंटिफिक प्रिंसिपल आफ स्पोर्ट्स ट्रेनिंग
20 फरवरी	स्पोर्ट्स साइकोल्जी
22 फरवरी	हेल्थ एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स न्यूट्रीशन
24 फरवरी	वैकल्पिक पेपर 4 (ए-स्पोर्ट्स इंजीनियरिंग, बी-फिजिकल फिटनेस एंड वेल्पनेस, सी-वैल्यू एंड इनवायरमेंटल एजुकेशन, डी-एजुकेशन टेक्नोलाजी इन फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स)।

बीएड तीसरा सेमेस्टर

तिथि	पेपर का नाम
20 फरवरी	मेजरमेंट एंड इवैल्युएशन इन एजुकेशन
22 फरवरी	थ्योरिटिकल फाउंडेशन इन करिकुलम
24 फरवरी	गाइडेंस एंड काउंसिलिंग

बीएड तीसरा सेमेस्टर (ओल्ड कोर्स)

तिथि	पेपर का नाम
20 फरवरी	स्कूल मैनेजमेंट एंड हाइजीन
22 फरवरी	मेजरमेंट एंड इवैल्युएशन

HINDUSTAN PAGE 6

बीएड, एमपीएड परीक्षा की तिथिया घोषित

लखनऊ। एलयू ने बीएड तथा एमपीएड तृतीय सेमेस्टर की परीक्षा की तिथियां घोषित कर दी हैं। परीक्षा 18 फरवरी से शुरू होगी। बीएड तृतीय सेमेस्टर के प्रथम प्रश्न पत्र की परीक्षा 20 फरवरी, द्वितीय प्रश्न पत्र की 22 फरवरी तथा तृतीय प्रश्न पत्र की परीक्षा 24 फरवरी को सुबह 9:00 से 12:00 के बीच होगी। बीएड थर्ड सेमेस्टर ओल्ड कोर्स की परीक्षा का पहला प्रश्न पत्र 20 फरवरी व दूसरे पेपर की परीक्षा 22 फरवरी को ही सुबह 9:00 से 12:00 के बीच होगा। एमपीएड थर्ड सेमेस्टर की परीक्षा का पहला प्रश्न पत्र 18 फरवरी, दूसरा 20, तीसरा 22 फरवरी तथा चौथे प्रश्न पत्र की परीक्षा 24 फरवरी को होगी।

NBT PAGE 3

एक साल बाद ही शोध करवा सकेंगे नए असिस्टेंट प्रफेसर

पीएचडी में फैकल्टी, छात्रों के लिए एलयू ने किए कई बदलाव

■ एनबीटी, लखनऊः लखनऊ यूनिवर्सिटी में अब नवनियुक्त असिस्टेंट प्रोफेसर एक साल बाद ही शोध छात्रों को अपने यहां पंजीकृत कर सकेंगे। अब तक यह समय सीमा तीन साल की थी। एलयू के पीएचडी अध्यादेश-2020 में फैकल्टी से लेकर छात्रों के लिए कई नए बदलाव किए गए हैं।

बीते दिनों एलयू के पीएचडी के नए अध्यादेश को राजभवन ने मंजूरी दी है। ऐसे में यूनिवर्सिटी के शिक्षकों का कहना है कि अब शोधार्थी अपनी विभागीय शोध समिति से अनुमति लेकर दो सेमेस्टर (एक साथ नहीं) के लिए डेटा कलेक्शन और नमूनों की जांच के लिए बाहर भी जा सकेंगे। पुराने अध्यादेश में यह सुविधा नहीं थी। एलयू प्रशासन के मुताबिक जल्द ही पीएचडी कोर्स वर्क को भी रिवाइज्ड करके इसमें रिसर्च एथिक्स सहित नई चीजें शामिल की जाएंगी। यह बदलाव आगामी पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया के माध्यम से दाखिला लेने वाले शोधार्थियों के लिए लागू होगा।

कोर्स वर्क में होंगे 3 पेपर

शिक्षकों के मुताबिक यूजीसी ने प्री-पीएचडी कोर्स में रिसर्च ऐंड पब्लिकेशन एथिक्स पेपर शामिल किया है। ऐसे में हर विभाग को पीएचडी कोर्स वर्क रिवाइज करना होगा। अब तक रिसर्च मेथेडोलॉजी और दूसरा विषय से संबंधित दो पेपर होते थे, पर अब तीन होंगे। फुलटाइम पीएचडी के शोधार्थियों की आखिरी छह महीने में 70% अटेंडेंस अनिवार्य होगी।

पार्ट टाइम के लिए एनओसी

अध्यादेश के मुताबिक असोसिएट प्रफेसर और प्रफेसर हर शैक्षिक सत्र में पार्ट टाइम पीएचडी में एक शोधार्थी को पंजीकृत कर सकेंगे। शोधार्थी को प्रवेश के लिए संबंधित कंपनी से एनओसी लाना होगा। एक सेमेस्टर में छह दिन की उपस्थित भी जरूरी होगी।

THE PIONEER PAGE 4

Haemoglobin, health check-up camp at LU

Lucknow (PNS): A haemoglobin and health check-up camp, 'Sarve Santu Niramaya' was organised by Tilak hostel, Lucknow University, on Sunday. A total of 175 girl students were tested for haemoglobin. The camp was organised by DSW Prof Poonam Tandon in collaboration with a city hospital. The camp was conducted at Tilak hostel for the students' haemoglobin, blood and health check-up in which the students received counselling and several tests were conducted by various specialist doctors.

The chief guest on the occasion, Sangita Rai encouraged the students to stay healthy. LU Vice-Chancellor Prof AK Rai said physical health is very important for the best performance. He said that the university students are the future funds of the country and society and they need to be protected by regular health check-ups. "Lucknow University is doing this work prominently in collaboration with social organisations," he said.

TOI PAGE 3

Health camp held at LU, girl students, teachers examined

Times News Network

Lucknow: A BA (final year) student of Lucknow University appeared healthy, but her haemoglobin test revealed that she had a low haemoglobin count of 5 grams per decilitre during a health check-up camp held at the LU's Tilak hostel on Sunday.

The student, who is a hosteller, was unable to believe that she had such low haemoglobin levels. She was immediately recommended a blood transfusion and medication by a doctors' team. The doctors quoting her example shared with students that how women are negligent about their health which later leads to serious problems.

V Sunil

A doctor examines a girl student during the health camp on Sunday

LU has decided to conduct a health camp on its second campus which will be open for both day scholars and hostellers.

As many as 175 girls and 10 teachers were tested during the health camp. The average haemoglobin count of the girl students came around 11 grams while that of teachers was 13.

"We will have a series of such health check-ups with the support of leading private hospitals in coming months. The next health camp that will test haemoglobin, diabetes and medical issues of female students will be held on LU second campus," said dean, student welfare, Poonam Tandon. She said "we have informed parents of the students whose haemoglobin count came 5 along with advice to improve her diet and get her treatment done.